प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली

30 जून 2026

महिलाओं के नेतृत्व कौशल पर हडको का 62वां आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित **"महिलाओं के लिए नेतृत्व कौशल"** पर 62वां भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम, हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) द्वारा 18 से 30 जून 2026 तक इनके एचएसएमआई हॉस्टल, एशियाई खेल गांव परिसर (एजीवीसी), नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस द्वि-सप्ताह के क्षमता-निर्माण कार्यक्रम में इराक की 24 महिला प्रोफेशनल्स ने भाग लिया और कार्यक्रम ज्ञान के आदान-प्रदान, नेतृत्व विकास तथा अंतर-सांस्कृतिक सहभागिता के लिए एक मंच सिद्ध हुआ। कार्यक्रम को लैंगिक समानता के प्रति प्रतिभागियों की समझ को संवर्धित, व्यावहारिक नेतृत्व व निर्णय लेने के कौशल को विकसित करते और उन्हें अपने संगठनों तथा प्रोफेशनल क्षेत्रों के भीतर अधिक ज़िम्मेदारियाँ संभालने के लिए सक्षम बनाते हुए, उनकी नेतृत्व क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए तैयार किया गया था।

समापन सत्र के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इस अवसर पर श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको; श्री एम. नागराज, निदेशक (कॉर्पोरेट प्लानिंग), हडको; तथा श्री ओदय हातिम मोहम्मद, कार्यवाहक राजदूत, इराक, की गरिमामयी उपस्थित रही।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, गणमान्य व्यक्तियों ने समावेशी, न्यायसंगत और सतत् विकास को गति देने में महिला नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आहवान किया कि वे इस कार्यक्रम के दौरान अर्जित ज्ञान और अनुभवों का उपयोग अपने-अपने संगठनों एवं समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करें।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख पहल, आई.टईसी कार्यक्रम साझीदार देशों के बीच क्षमता निर्माण, संस्थागत सहयोग तथा उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ कर रहा है। **"महिलाओं के लिए नेतृत्व कौशल"** जैसे विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, यह पहल महिला कार्यबल को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान, आत्मविश्वास और नेतृत्व दक्षताओं से संपन्न करने की भारत की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है, तथा सतत् एवं समावेशी विकास के प्रति समर्पित महिला नेतृत्व के एक वैश्विक नेटवर्क को भी प्रोत्साहित करती है।

***